नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

# हादसों में गई 6 की जान

## क्रेन की मदद से शवों को निकाला, घने कोहरे के कारण हुआ हादसा

**नवभारत न्यूज**

**ग्वालियर. सुबह घने कोहरे के बीच शुक्रवार को भिंड रोड हाइवे पर बंटू ढाबा के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी. हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं बालाघाट के परसवाड़ा क्षेत्र में हादसे में दो युवकों की मौत हो गई.**

मृतकों की पहचान सौरभ शर्मा निवासी मेहगांव (भिंड), ज्योति यादव (भिंड), भूरे प्रजापति (गोरमी) भिंड और उमा राठौर पत्नी पति राम राठौर, निवासी मोरोली भिंड के रूप में हुई है. सौरभ बीएससी एग्रीकल्चर का पेपर देने आगरा जा रहा था. कार उसके भाई की है. रास्ते में उसे ग्वालियर के लिए सवारी मिल थी, उसकी भी हादसे में मौत हो गई. सौरभ के भाई अंकित ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे सौरभ घर से निकला था. कोहरे की वजह से सुबह ग्वालियर में विजिबिलिटी

200 से 500 मीटर तक थी. ज्योति की बहन नीलम यादव ने बताया कि हमें सुबह सूचना मिली थी कि मालनपुर में एक्सीडेंट हुआ है. कार में मेरी बहन भी आ रही थी. उसे मथुरा जाना था, इसलिए वह गोरमी से निकली थी. उसके 2 बच्चे हैं. वह अकेली घर से निकली थी.

### हादसे के बाद भिंड रोड पर यातायात रहा ठप

कार को टक्कर मारने के बाद ट्रक बेकाबू होकर झाड़ियों में जा घुसा. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया. दुर्घटना की जांच जा रही है. हादसे के बाद भिंड रोड पर यातायात ठप हो गया.

### इधर, बालाघाट में दो बाइक सवारों की मौत

**बालाघाट.** किरनापुर थाना अंतर्गत परसवाड़ा क्षेत्र के देवगांव नदी के पास शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया. हादसे में दो बाइक सवार युवकों की मौत हो गई. सुबह 11 बजे हादसा उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रही बाइक से भिड़ंत हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की भिड़ंत से बाइक सवार दोनों युवक सड़क से दूर जा गिरे. हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दूसरे युवक को तत्काल उपचार के लिए किरनापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया.

# चुन-चुन कर निकालेंगे घुसपैठिए

## घुसपैठियों की संख्या शून्य से बढ़कर 64 लाख तक पहुंच गई : शाह

**गुवाहाटी/डिब्रूगढ़, 30 जनवरी. असम में चुनावी सरगर्मी के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठियों के मुद्दे पर विपक्ष को करारा जवाब दिया है. धेमाजी जिले के करेंग चापोरी में आयोजित मिसिंग यूथ फेस्टिवल के समापन समारोह में शाह ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल के दौरान अवैध घुसपैठ के कारण राज्य की जनसांख्यिकीय संरचना में बड़ा बदलाव आया.**

उन्होंने कहा कि घुसपैठियों की संख्या शून्य से बढ़कर 64 लाख तक पहुंच गई और सात जिलों में वे बहुमत की स्थिति में आ गए. शाह ने इसे असम की पहचान और सामाजिक संतुलन के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए ठोस कदम उठा रही है. उन्होंने राज्य में अतिक्रमण हटाने, भूमि मुक्त कराने और सीमावर्ती इलाकों में सख्ती बढ़ाने जैसे

प्रयासों का भी जिक्र किया. साथ ही, आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिए समर्थन देने की अपील की, जिससे घुसपैठ की समस्या से निर्णायक तरीके से निपटा जा सके. शाह ने मिसिंग समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनकी जीवनशैली ने ऊपरी असम में बाहरी बसावट को सीमित रखा है. शाह ने अपने संबोधन में कहा कि असम में घुसपैठ का मुद्दा नया नहीं है, बल्कि दशकों से चला आ रहा है.

उनके अनुसार, कांग्रेस के शासनकाल में सीमा प्रबंधन और आंतरिक सुरक्षा को लेकर ढिलाई बरती गई, जिसका परिणाम यह हुआ कि बड़ी संख्या में अवैध घुसपैठिए राज्य में बस गए. शाह ने दावा किया कि इस वजह से असम की डेमोग्राफी प्रभावित हुई और सात जिलों में सामाजिक संतुलन बदल गया. उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने इस चुनौती से निपटने के लिए बहुस्तरीय रणनीति अपनाई है. गृह मंत्री ने बताया कि राज्य में भाजपा की

> शाह ने मिसिंग समुदाय का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी मेहनतकश जीवनशैली और सांस्कृतिक मजबूती के कारण ऊपरी असम में घुसपैठिए स्थायी रूप से बस नहीं पाए. उन्होंने कहा कि घुसपैठ रोकने के लिए हथियार उठाने की जरूरत नहीं, बल्कि अपनी पहचान और परंपराओं को सशक्त बनाए रखना ही सबसे बड़ा उपाय है. साथ ही, उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन में कई आदिवासी समुदायों को अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ा.

लगातार दो सरकारों के दौरान घुसपैठियों द्वारा किए गए अतिक्रमण से 1.26 लाख एकड़ भूमि मुक्त कराई गई है. उन्होंने इसे प्रशासनिक इच्छा शक्ति का उदाहरण बताते हुए कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा. शाह ने कहा कि अगर असम में घुसपैठ को पूरी तरह रोकना है, तो भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिए चुनना होगा.